व्यवसाय :

आप एक सफल परामर्शदाता, वकील, चिकित्सक, शिक्षक, प्राध्यापक, सांख्यिकीविद, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, गणितज्ञ, लेखाकार, गायक, लेखक, प्रबन्धक हो सकते हैं। आप परिवहन, यात्रा, टेलिफोन, आभूषण के व्यवसाय से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

शुभ और अशुभ ग्रह :

1– दूसरे व नौवें भाव का स्वामी शुक्र, शुभ है।
2– लग्नेश बुध, सर्वाधिक शुभ है।
3– सातवें भाव का स्वामी बृहस्पति, मारकेश है।
4– चंद्रमा अशुभ है।
5– तीसरे व आठवें भाव का स्वामी मंगल, सर्वाधिक अशुभ है।
6– सूर्य और शनि तटस्थ हैं।

कन्या लग्न से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति :

क्रिकेटर– अजहरूद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वेंकटेश प्रसाद, उद्योगपति– लाला चैतराम, वैल्स की राजकुमारी– प्रिंसेज़ डायना, यू. एस. ए. के पूर्व राष्ट्रपति– जॉन एफ. केनेडी, बिल क्लींटन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति– डॉ. राधाकृष्णन, पूर्व प्रधानमंत्री– राजीव गांधी, पी. वी. नरसिंह राव, टेनिस खिलाड़ी– लिएन्डर पेस।

जन्म–पत्रिका

Sample(Male)

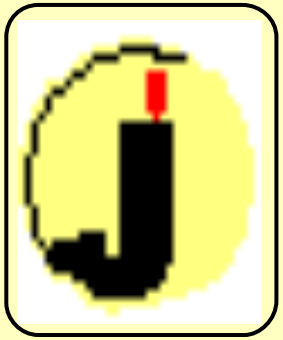

Photograph

जन्म दिन–	18:12:1973(Tuesday)	
जन्म समय–	01:45:00	
जन्म स्थान–	Ballia(INDIA) 025:45 084:10	
दादा का नाम–		
दादी का नाम–		
पिता का नाम–		
माता का नाम–		
धर्म–		
जाति–		
उप जाति–		
फोन–		
मोबाइल–		
इ–मेल–		
पता–		

नाम–	*Ajit Kumar Singh*
संस्था का नाम–	----------
पता–	----------

फोन–	----------

ज्योतिष सारिणी

जन्म दिन-	18 December 1973 (Tuesday)		
जन्म समय-	01:45:00		
जन्म स्थान-	Ballia , INDIA	सांपातिक काल-	07:36:55 hrs
रेखांश-	084:10:00E	सूर्योदय-	06:36:32AM
अक्षांश-	025:45:00N	सूर्यास्त-	05:03:05PM
समयक्षेत्र-	-05:30:00 hrs	अयनांश-	N.C.Lahiri (023:29:36)
समय संशोधन-	00:00:00 hrs	**विक्रम संवत्-**	**2030**
जीएमटी.समय-	20:15:00 hrs	**शक संवत्-**	**1895**
स्थानीय समय संस्कार-	00:06:40 hrs	**संवत्सर-**	**प्रमादी**
स्थानीय समय-	01:51:40 hrs	**संवत्सर अधिपति-**	**इन्द्राग्नि**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	कन्या
लग्नाधिपति :	बुध
राशि (चन्द्रमा) :	कन्या
राशिपति :	बुध
नक्षत्र :	हस्त
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण :	2
पाया :	स्वर्ण
ऋतु :	हेमन्त
मास :	पौष
पक्ष :	कृष्ण
तिथि :	नवमी
तिथि श्रेणी :	रिक्ता
तिथि पति :	सूर्य
करण :	गरिज
करण श्रेणी :	चर
करणपति :	वासुदेव
गण :	देव
वर्ण :	वैश्य
योनि :	महिष (स्त्री)
सूर्य सिद्धान्त योग :	सौभाग्य
रज्जु :	कंठ
वश्य :	द्विपद
तत्व :	अग्नि
तत्वाधिपति :	मंगल
विहग :	वायस
नाड़ी :	आदि
नाड़ी पद :	मध्य
वेध :	शतभिषा
आद्याक्षर :	ष, षि, षु, षे, षो

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	मिथुन
मास :	भद्रा
तिथि :	5,10,15
वार :	शनिवार
नक्षत्र :	श्रावण
प्रहर :	1
लग्न :	मीन
सूर्य सिद्धान्त योग :	सुकर्मन
करण :	कौलव

पाश्चात्य ज्योतिषीय सारिणी

सुर्य राशि-	धनु
देकानेट-	3
फेस :	VI
चन्द्र राशि (पाश्चात्य) :	तुला
लग्न (पाश्चात्य) :	तुला
सूर्य का अवधिपति :	मंगल
चन्द्रमा का अवधिपति :	शुक्र
अवधि बदलाव :	(मंगल, शनि), (बुध, शुक्र) , (शुक्र, बुध) , (शनि, मंगल)

नकारात्मक गुण :

आप भ्रमित और अस्थिर दिमाग वाले हो सकते हैं। आपमें आत्म–विश्वास की कमी हो सकती है। आप यथार्थवादी नहीं हो सकते हैं और अज्ञात सपनों के पीछे भाग सकते हैं।

विशिष्ट गुण :

1– आप बुद्धिजीवी और अत्यंत ग्रहणशील व्यक्ति होंगे।
2– आप कर्तव्यनिष्ठ और अपने कार्यों में बहुत व्यवस्थित होंगे। आप प्रत्येक क्षण के बारे में विचार करेंगे।
3– आप विनम्र, धार्मिक और मधुर वाणी वाले व्यक्ति होंगे।

मानसिक स्थिति :

आपकी कुण्डली में चंद्रमा कन्या राशि में स्थित है– जो कि बुध द्वारा संचालित है। यह एक साधारण, नकारात्मक और भौतिक राशि है। आप शांत, मनमौजी और कुछ–कुछ ढुलमुल प्रकृति के होंगे, किन्तु आप बहुत ज्यादा महात्वाकांक्षी नहीं हो सकते हैं, आपमें डींग हाकने वाली आदतें बिल्कुल नहीं होंगी और आप मिथ्याभिमान से सदैव घृणा करेंगे। यद्यपि आपकी बौद्धिक क्षमता काफी ऊँची होगी और आप बौद्धिक कार्यों में संलग्न रहेंगे, तो भी आप उत्तरदायित्वपूर्ण एवं किसी के अधीन तक भी रहकर काम करना पसन्द कर सकते हैं। ऐसा आप अपने जीवन में शांति की कीमत व महत्ता को बढाने के लिए करेंगे और अनावश्यक तनावों से सदैव दूर रहना चाहेंगे।

आपको अपने घर से काफी लगाव होगा और आपके प्रिय पारिवारिक जन आपके जीवन को बहुत आनन्दमय व खुशहाल बनाएंगे। कृषि, कृषि संबंधी उत्पाद, दवाएं, औषधि, भोज्य–पदार्थ, बेकरी, मिष्ठान–भंडार, घरेलू उपभोग की वस्तुएं और अन्य घरेलू उपकरण आपको अपेक्षाकृत अधिक आकर्षित करेंगे। आपका अपने सहकर्मियों, वरिष्ठों व अधीनस्थों के साथ समान रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध होगा और यदि आपका कोई घरेलू नौकर है, तो उसका व्यवहार भी आपके प्रति बहुत अच्छा होगा एवं आपको बहुत सम्मान देगा। फुर्तीला व चौकन्ना रहना आपका सहज स्वभाव होगा, साथ ही आप कुछ हद तक रहस्यात्मक भी हो सकते हैं– जो कि आपको असाधारण रूप से सहनशील बनाएगा। पारिवारिक भाग्य का अत्यधिक पतन, या जटिल घरेलू विवाद, अथवा अन्य प्रकार का थोपा हुआ अवरोध या प्रारम्भिक जीवन के अभाव आपको कुछ हद तक अन्तर्मुखी या एकान्तप्रिय बना सकते हैं।

आप विश्लेषण–विज्ञान का औपचारिक अध्ययन कर सकते हैं, किन्तु कला–कौशल में भी आपकी उतनी ही रूचि होगी– आपको ना केवल सैद्धान्तिक विषय–सामग्री के अध्ययन की तीव्र इच्छा होगी, बल्कि आप प्रयोगात्मक पक्ष या व्यावहारिक दृष्टिकोण में भी रूचि रखेंगे– जिसको आप अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण समझेंगे। आप अपने खुद के कुछ मौलिक निष्कर्ष निकाल सकते हैं अथवा कुछ तथ्यों की खोज कर सकते हैं या कुछ उपकरणों का अविष्कार कर सकते हैं– जो कि सांसारिक गतिविधियों में उपयोगी साबित होगी। जैसे–जैसे समय व्यतीत होगा, आपकी परिपक्वता व योगदान की क्षमता में वृद्धि होगी, आपमें जोशपूर्ण व हंसमुख प्रकृति का विकास होगा, बातचीत करने में कुशल और रमणीय संकेत करने में माहिर होंगे। संभवतः कुछ अन्तर्देशीय दूरस्थ स्थानों या विदेशों की भी यात्रा कर सकते हैं– शैक्षणिक या सांस्कृतिक उद्देश्य से।

जातक से संबंधित सामान्य भविष्यफल

सामान्य विशेषताएं :

आपकी लग्न राशि कन्या है। इस राशि को भौतिक, सामान्य या लचीली राशि के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अन्य कई नैसर्गिक गुणात्मक विशेषताएं भी इसमें विद्यमान हैं। यह नीरस और मानवीय प्रकृति की राशि है।

इस लग्न में जन्म लेने के कारण, आप मेधावी, अध्ययनशील और विनोदपूर्ण प्रकृति के होंगे। आपके कार्य करने के तरीके बहुत नियमबद्ध और सुव्यवस्थित होंगे, आप बहुत ज्ञानी व्यक्ति होंगे– निपुणता प्राप्त करने के उद्देश्य से आप सदैव ज्ञान की खोज में लगे रहेंगे। आपका झुकाव निरन्तर अनौपचारिक अध्ययन अथवा अनुसंधान की ओर बना रहेगा, तंत्र–मंत्र और इससे संबंधित विषयों में भी आपकी रूचि हो सकती है। आपमें धैर्य व दृढ़ता का भण्डार हो सकता है।

आपको कला और साहित्य में भी काफी रूचि हो सकती है। सामान्यतः अपने सभी मामलों में आप आदतन आलोचक और सख्त होंगे, तो भी आप कोमल वाणी, व्यावहारिक, परोपकारी और विवेकपूर्ण प्रकृति के होंगे। आप सादा जीवन और उच्च विचार में विश्वास रखेंगे और बहुत विवेकपूर्ण ढंग से अपने मौद्रिक मामलों का प्रबन्ध करेंगे। आप विचित्र वस्तुओं के उत्साही संग्रहकर्ता हो सकते हैं– संभवतः जिसने आपके जीवन के किसी समय के दौरान आपकी कल्पना को आकर्षित किया हो, लेकिन किसी भी संग्रहित वस्तु से अलग ना होने की आपकी एक विचित्र आदत हो सकती है।

शारीरिक संरचना :

आप गौर वर्ण के हो सकते हैं। आप मध्यम कद और गोल चेहरे व सुगठित छरहरी शारीरिक संरचना वाले हो सकते हैं। आपकी आँखें सुन्दर होंगी। आपकी आवाज कुछ–कुछ तेज हो सकती है। साथ ही आप कुछ हद तक अस्थिर मस्तिष्क वाले हो सकते हैं और बढ़ती उम्र के साथ उदास प्रवृत्ति अपना सकते हैं।

विशिष्ट गुण :

आपमें विश्लेषण करने की अनोखी क्षमता विद्यमान होगी। आप बुद्धिमान और धारणशील स्मृति वाले होंगे। आप लड़ाई–झगड़ों से दूर रहने का प्रयास करेंगे और शांति व एकता आपको पसन्द होगी। आप बहुत नियमबद्ध ढंग से कार्य करेंगे। आपको कई क्षेत्रों का ज्ञान होगा। आप विवेकशील होंगे और व्यर्थ में धन खर्च नहीं करेंगे। आपको कला और संगीत में रूचि होगी।

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
लग्न	कन्या	बुध	28:15:29	चित्रा.2	मंगल	...	...	...
सूर्य	धनु	गुरू	02:15:49	मूला.1	केतु	दारा	मित्र के भाव में	ग्रस्त
चन्द्रमा	कन्या	बुध	16:00:57	हस्ता.2	चन्द्रमा	भ्रात्रि	शत्रु के भाव में	––
मंगल	मेष	मंगल	04:42:18	अश्विनी.2	केतु	ज्ञाति	मूलत्रिकोन	––
बुध	वृश्चिक	मंगल	19:51:24	ज्येष्ठा.1	बुध	आत्म	शत्रु के भाव में	––
गुरू	मकर	शनि	17:56:39	श्रवण.3	चन्द्रमा	अमात्य	तटस्थ भाव में	शुभ ग्रह के साथ
शुक्र	मकर	शनि	13:00:16	श्रवण.1	चन्द्रमा	मात्रि	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
शनि व	मिथुन	बुध	08:12:33	अरिद्रा.1	राहु	अपत्या	तटस्थ भाव में	ग्रस्त
राहु व	धनु	गुरू	05:10:35	मूला.2	केतु	...	मित्र के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
केतु व	मिथुन	बुध	05:10:35	मृगशिरा.4	मंगल	...	तटस्थ भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
हर्षल	तुला	शुक्र	03:20:59	चित्रा.4	मंगल	...	––	––
नेपच्यून	वृश्चिक	मंगल	14:20:41	अनुराधा.4	शनि	...	––	शुभ ग्रह के साथ
प्लूटो	कन्या	बुध	13:11:14	हस्ता.1	चन्द्रमा	...	––	दुष्ट ग्रह के साथ

लग्न कुण्डली

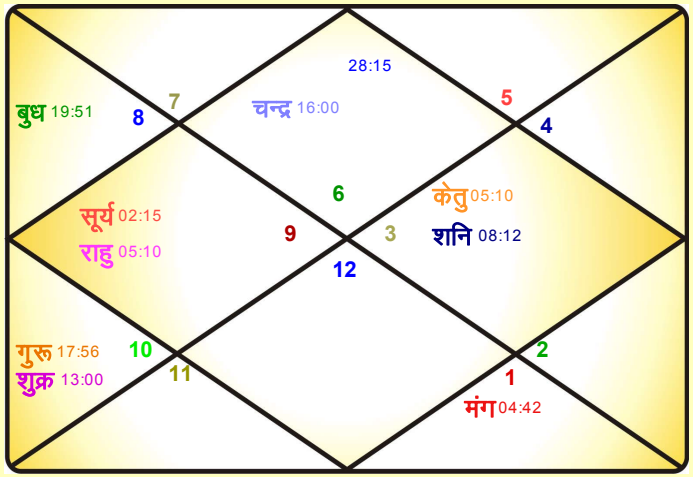

नवांश कुण्डली

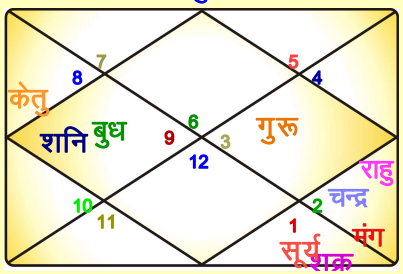

चन्द्र कुण्डली

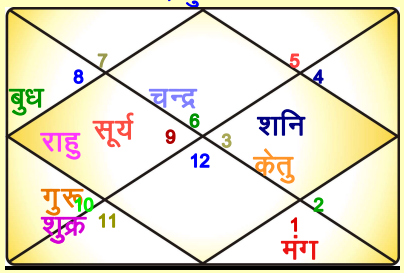

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ---अन्त)			
I	कन्या	028:15:29	कन्या	13:22:19	तुला	13:22:19
II	तुला	028:29:08	तुला	13:22:19	वृश्चिक	13:35:58
III	वृश्चिक	028:42:47	वृश्चिक	13:35:58	धनु	13:49:37
IV	धनु	028:56:27	धनु	13:49:37	मकर	13:49:37
V	मकर	028:42:47	मकर	13:49:37	कुम्भ	13:35:58
VI	कुम्भ	028:29:08	कुम्भ	13:35:58	मीन	13:22:19
VII	मीन	028:15:29	मीन	13:22:19	मेष	13:22:19
VIII	मेष	028:29:08	मेष	13:22:19	वृष	13:35:58
IX	वृष	028:42:47	वृष	13:35:58	मिथुन	13:49:37
X	मिथुन	028:56:27	मिथुन	13:49:37	कर्क	13:49:37
XI	कर्क	028:42:47	कर्क	13:49:37	सिहं	13:35:58
XII	सिहं	028:29:08	सिहं	13:35:58	कन्या	13:22:19

लग्न कुण्डली

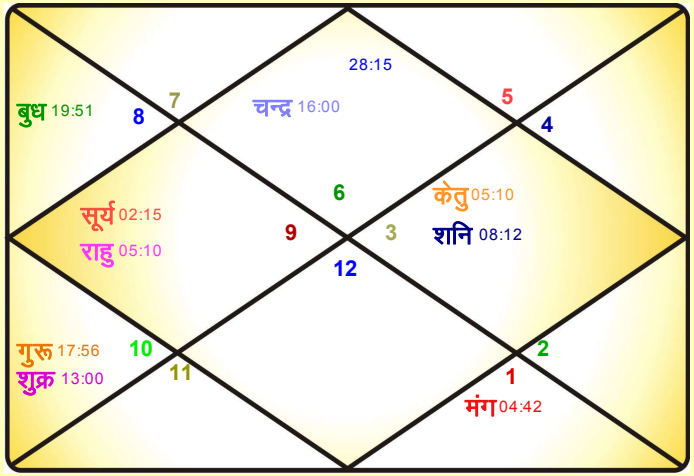

भाव कुण्डली

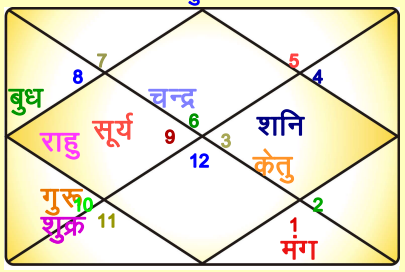

भाव चलित कुण्डली

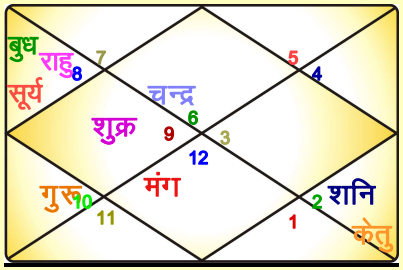

योगिनी दशा

क्रम	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	संकटा (राहु)(हस्त)	4 y.4 m.21 d.	18:12:1973 to 09:05:1978	051:11:32
2	मंगला (चन्द्रमा)(चित्रा)	1 y.0 m.0 d.	09:05:1978 to 09:05:1979	170:43:15
3	पिगंला (सूर्य)(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	09:05:1979 to 09:05:1981	127:26:24
4	धन्या (बृहस्पति)(विशाखा)	3 y.0 m.0 d.	09:05:1981 to 08:05:1984	215:53:18
5	भ्रमरी(मंगल)(अनुराधा)	4 y.0 m.0 d.	08:05:1984 to 08:05:1988	072:54:51
6	भद्रीका(बुध)(ज्येष्ठा)	5 y.0 m.0 d.	08:05:1988 to 09:05:1993	099:42:48
7	उल्का (शनि)(मूल)	6 y.0 m.0 d.	09:05:1993 to 09:05:1999	133:23:08
8	सिद्धा (शुक्र)(पूर्वाषाढ)	7 y.0 m.0 d.	09:05:1999 to 09:05:2006	206:00:33
9	संकटा (राहु)(उत्तराषाढ़)	8 y.0 m.0 d.	09:05:2006 to 09:05:2014	127:26:24
10	मंगला (चन्द्रमा)(श्रवण)	1 y.0 m.0 d.	09:05:2014 to 09:05:2015	332:01:54
11	पिगंला (सूर्य)(धनिष्ठा)	2 y.0 m.0 d.	09:05:2015 to 09:05:2017	246:58:07
12	धन्या (बृहस्पति)(शतभिषा)	3 y.0 m.0 d.	09:05:2017 to 08:05:2020	173:07:14
13	भ्रमरी(मंगल)(पूर्वाभाद्रपद)	4 y.0 m.0 d.	08:05:2020 to 08:05:2024	292:38:57
14	भद्रीका(बुध)(उत्तराभाद्रपद)	5 y.0 m.0 d.	08:05:2024 to 09:05:2029	298:03:58
15	उल्का (शनि)(रेवती)	6 y.0 m.0 d.	09:05:2029 to 09:05:2035	298:03:58
16	सिद्धा (शुक्र)(अश्विनी)	7 y.0 m.0 d.	09:05:2035 to 09:05:2042	348:10:51
17	संकटा (राहु)(भरणी)	8 y.0 m.0 d.	09:05:2042 to 09:05:2050	168:10:51
18	मंगला (चन्द्रमा)(कृत्तिका)	1 y.0 m.0 d.	09:05:2050 to 09:05:2051	048:16:46
19	पिगंला (सूर्य)(रोहिणी)	2 y.0 m.0 d.	09:05:2051 to 09:05:2053	048:16:46
20	धन्या (बृहस्पति)(मृगशिर)	3 y.0 m.0 d.	09:05:2053 to 08:05:2056	292:38:57
21	भ्रमरी(मंगल)(आर्द्रा)	4 y.0 m.0 d.	08:05:2056 to 08:05:2060	249:52:53
22	भद्रीका(बुध)(पुनर्वसु)	5 y.0 m.0 d.	08:05:2060 to 09:05:2065	157:48:03
23	उल्का (शनि)(पुष्य)	6 y.0 m.0 d.	09:05:2065 to 09:05:2071	136:25:07
24	सिद्धा (शुक्र)(आश्लेषा)	7 y.0 m.0 d.	09:05:2071 to 09:05:2078	152:51:40

अष्टोत्तरी दशा

आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा का अरिद्रादी सिद्धान्त प्रभावी हो रहा है।

कस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ----------	समय बिन्दु
1	मंगल(हस्त)	1 y.1 m.5 d.	18:12:1973 -- 22:01:1975	170:43:15
2	मंगल(चित्रा)	2 y.0 m.0 d.	22:01:1975 -- 22:01:1977	009:24:36
3	मंगल(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	22:01:1977 -- 22:01:1979	249:52:53
4	मंगल(विशाखा)	2 y.0 m.0 d.	22:01:1979 -- 22:01:1981	292:38:57
5	बुध(अनुराधा)	5 y.8 m.0 d.	22:01:1981 -- 23:09:1986	298:03:58
6	बुध(ज्येष्ठा)	5 y.8 m.0 d.	23:09:1986 -- 23:05:1992	099:42:48
7	बुध(मूल)	5 y.8 m.0 d.	23:05:1992 -- 22:01:1998	295:01:59
8	शनि(पूर्वाषाढ)	2 y.6 m.0 d.	22:01:1998 -- 23:07:2000	351:12:50
9	शनि(उत्तराषाढ)	2 y.6 m.0 d.	23:07:2000 -- 22:01:2003	310:28:22
10	शनि(अभिजीत)	2 y.6 m.0 d.	22:01:2003 -- 24:07:2005	310:28:22
11	शनि(श्रवण)	2 y.6 m.0 d.	24:07:2005 -- 22:01:2008	234:13:31
12	गुरू(धनिष्ठा)	6 y.4 m.0 d.	22:01:2008 -- 24:05:2014	292:38:57
13	गुरू(शतभिषा)	6 y.4 m.0 d.	24:05:2014 -- 22:09:2020	173:07:14
14	गुरू(पूर्वाभाद्रपद)	6 y.4 m.0 d.	22:09:2020 -- 22:01:2027	215:53:18
15	राहु(उत्तराभाद्रपद)	3 y.0 m.0 d.	22:01:2027 -- 22:01:2030	313:23:08
16	राहु(रेवती)	3 y.0 m.0 d.	22:01:2030 -- 22:01:2033	115:01:59
17	राहु(अश्विनी)	3 y.0 m.0 d.	22:01:2033 -- 22:01:2036	310:21:10
18	राहु(भरणी)	3 y.0 m.0 d.	22:01:2036 -- 22:01:2039	168:10:51
19	शुक्र(कृत्तिका)	7 y.0 m.0 d.	22:01:2039 -- 22:01:2046	165:16:05
20	शुक्र(रोहिणी)	7 y.0 m.0 d.	22:01:2046 -- 22:01:2053	089:01:14
21	शुक्र(मृगशिर)	7 y.0 m.0 d.	22:01:2053 -- 22:01:2060	287:42:34
22	सूर्य(आर्द्रा)	1 y.6 m.0 d.	22:01:2060 -- 24:07:2061	127:26:24
23	सूर्य(पुनर्वसु)	1 y.6 m.0 d.	24:07:2061 -- 22:01:2063	170:12:28
24	सूर्य(पुष्य)	1 y.6 m.0 d.	22:01:2063 -- 23:07:2064	310:28:22
25	सूर्य(आश्लेषा)	1 y.6 m.0 d.	23:07:2064 -- 22:01:2066	112:07:13
26	चन्द्रमा(मघा)	5 y.0 m.0 d.	22:01:2066 -- 22:01:2071	231:11:32
27	चन्द्रमा(पूर्वाफाल्गुनी)	5 y.0 m.0 d.	22:01:2071 -- 22:01:2076	089:01:14

(विशेष- घटनाओं के समय की सटीक जानकारी और स्पष्ट परिणाम के लिए आपको केवल एन सी लाहिड़ी अयनांश का प्रयोग करना चाहिए।)

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उच्च बल	17.42	15.66	37.77	38.38	04.31	35.33	16.07
सप्त वर्ग बल	135.00	93.75	157.50	131.25	110.63	110.63	65.63
युग्म अयुग्म बल	30.00	30.00	15.00	15.00	15.00	15.00	30.00
केन्द्रादी बल	60.00	60.00	30.00	15.00	30.00	30.00	60.00
द्रेक्कन बल	15.00	00.00	15.00	15.00	00.00	00.00	00.00
स्थान बल	257.42	199.41	255.27	214.63	159.94	190.96	171.69
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	156.01	149.93	265.90	130.08	96.93	143.58	178.85
दिग बल	08.89	25.69	31.92	42.80	23.44	55.31	36.68
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	25.41	51.38	106.40	122.29	66.97	110.62	122.28
नतोन्नत बल	09.58	50.42	50.42	09.58	00.00	09.58	50.42
पक्ष बल	34.58	25.42	34.58	25.42	25.42	25.42	34.58
त्रिभाग बल	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	60.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00
मास बल	00.00	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00	00.00	00.00
होरा बल	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	00.30	34.23	43.09	57.64	07.83	06.24	00.12
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	104.47	110.06	173.09	122.64	93.25	101.24	100.12
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	93.28	110.06	258.35	109.50	83.26	101.24	149.44
चेष्टा बल	00.30	25.42	07.50	30.00	45.00	45.00	60.00
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	00.60	84.72	18.75	60.00	90.00	150.00	150.00
नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	08.57
द्रिक बल	-31.39	-02.62	-10.34	-23.64	-17.60	-19.69	00.23
कुल षडबल	399.69	409.39	474.58	412.14	338.31	415.68	377.30
षडबल (रूप में)	6.66	6.82	7.91	6.87	5.64	6.93	6.29
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वाछनिय अंश	102.48	113.72	158.19	98.13	86.75	125.96	125.77
तुलनात्मक स्थिति	5	4	1	3	7	2	6
इष्ट फल	04.96	19.95	16.83	33.93	13.93	39.88	31.05
कष्ट फल	55.04	40.05	43.17	26.07	46.07	20.12	28.95
दिप्ति बल	100.00	25.42	40.81	26.59	15.23	52.01	58.02

भावबल

भाव संख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
भावाधिपति बल	412.14	415.68	474.58	338.31	377.30	377.30	338.31	474.58	415.68	412.14	409.39	399.69
भाव दिग्बल	60.00	50.00	20.00	00.00	50.00	10.00	30.00	40.00	50.00	30.00	10.00	40.00
भाव दृष्टि बल	-09.32	26.29	-27.68	-21.62	-14.73	-13.15	-22.75	24.81	-23.33	-07.66	-09.70	-01.82
भाव बल का योग	462.82	491.97	466.90	316.69	412.57	374.15	345.57	539.39	442.35	434.48	409.69	437.87
भाव बल (रूप में)	7.71	8.20	7.78	5.28	6.88	6.24	5.76	8.99	7.37	7.24	6.83	7.30
तुलनात्मक स्थिति	4	2	3	12	8	10	11	1	5	7	9	6

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
☽	चन्द्रमा	मित्र	....	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
♂	मंगल	मित्र	मित्र	....	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
☿	बुध	मित्र	शत्रु	सम	....	सम	मित्र	सम	सम	सम
♃	गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	....	शत्रु	सम	मित्र	सम
♀	शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	....	मित्र	मित्र	मित्र
♄	शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	....	मित्र	मित्र
☊	राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	....	सम
☋	केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	....

तत्कालिक मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
☽	चन्द्रमा	मित्र	....	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
♂	मंगल	शत्रु	शत्रु	....	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
☿	बुध	मित्र	मित्र	शत्रु	....	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
♃	गुरू	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	....	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
♀	शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	....	शत्रु	मित्र	शत्रु
♄	शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	....	शत्रु	शत्रु
☊	राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	....	शत्रु
☋	केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	....

पचंधा मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	अधिमित्र	सम	मित्र	अधिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
☽	चन्द्रमा	अधिमित्र	....	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
♂	मंगल	सम	सम	....	अधिशत्रु	अधिमित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	अधिमित्र
☿	बुध	अधिमित्र	सम	शत्रु	....	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
♃	गुरू	अधिमित्र	सम	अधिमित्र	सम	....	अधिशत्रु	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु
♀	शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	....	सम	अधिमित्र	सम
♄	शनि	अधिशत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम	....	सम	सम
☊	राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	सम	....	शत्रु
☋	केतु	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	....

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:२६:३६) : चन्द्रमा :
5 व. 5 मा. 26 दि.

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ——— तक
1	चन्द्रमा महादशा	5 y.5 m.26 d.	18:12:1973 --- 14:06:1979
2	मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	14:06:1979 --- 14:06:1986
3	राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	14:06:1986 --- 13:06:2004
4	गुरू महादशा	16 y.0 m.0 d.	13:06:2004 --- 13:06:2020
5	शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	13:06:2020 --- 14:06:2039
6	बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	14:06:2039 --- 13:06:2056
7	केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	13:06:2056 --- 14:06:2063
8	शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	14:06:2063 --- 14:06:2083
9	सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	14:06:2083 --- 14:06:2089

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
गुरू	
शनि	18:12:1973
बुध	14:04:1975
केतु	13:09:1976
शुक्र	14:04:1977
सूर्य	13:12:1978

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से –
मंगल	14:06:1979
राहु	10:11:1979
गुरू	28:11:1980
शनि	04:11:1981
बुध	13:12:1982
केतु	10:12:1983
शुक्र	08:05:1984
सूर्य	08:07:1985
चन्द्रमा	13:11:1985

राहु दशा

अन्तर्दशा	से –
राहु	14:06:1986
गुरू	24:02:1989
शनि	20:07:1991
बुध	27:05:1994
केतु	13:12:1996
शुक्र	01:01:1998
सूर्य	01:01:2001
चन्द्रमा	25:11:2001
मंगल	27:05:2003

गुरू दशा

अन्तर्दशा	से –
गुरू	**13:06:2004**
शनि	01:08:2006
बुध	12:02:2009
केतु	20:05:2011
शुक्र	25:04:2012
सूर्य	25:12:2014
चन्द्रमा	13:10:2015
मंगल	12:02:2017
राहु	19:01:2018

शनि दशा

अन्तर्दशा	से –
शनि	13:06:2020
बुध	17:06:2023
केतु	24:02:2026
शुक्र	05:04:2027
सूर्य	05:06:2030
चन्द्रमा	17:05:2031
मंगल	16:12:2032
राहु	25:01:2034
गुरू	01:12:2036

बुध दशा

अन्तर्दशा	से –
बुध	14:06:2039
केतु	10:11:2041
शुक्र	07:11:2042
सूर्य	07:09:2045
चन्द्रमा	14:07:2046
मंगल	13:12:2047
राहु	10:12:2048
गुरू	29:06:2051
शनि	04:10:2053

केतु दशा

अन्तर्दशा	से –
केतु	13:06:2056
शुक्र	10:11:2056
सूर्य	10:01:2058
चन्द्रमा	17:05:2058
मंगल	16:12:2058
राहु	14:05:2059
गुरू	01:06:2060
शनि	08:05:2061
बुध	17:06:2062

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से –
शुक्र	14:06:2063
सूर्य	13:10:2066
चन्द्रमा	13:10:2067
मंगल	14:06:2069
राहु	14:08:2070
गुरू	14:08:2073
शनि	13:04:2076
बुध	14:06:2079
केतु	14:04:2082

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से –
सूर्य	14:06:2083
चन्द्रमा	01:10:2083
मंगल	01:04:2084
राहु	07:08:2084
गुरू	02:07:2085
शनि	20:04:2086
बुध	02:04:2087
केतु	06:02:2088
शुक्र	13:06:2088

षोडश वर्ग

लग्न (जन्म) कुण्डली

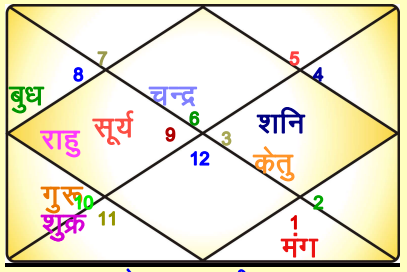

होरा कुण्डली

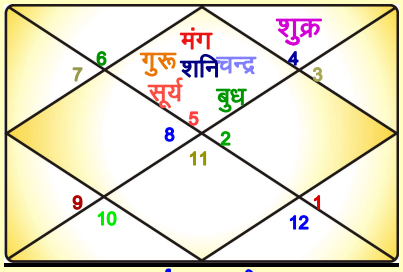

द्रेष्काण कुण्डली

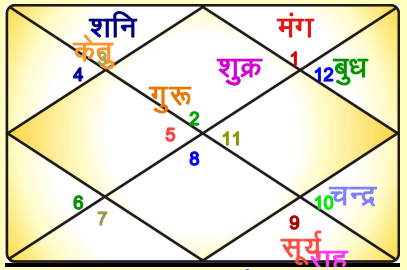

चतुर्थांश कुण्डली

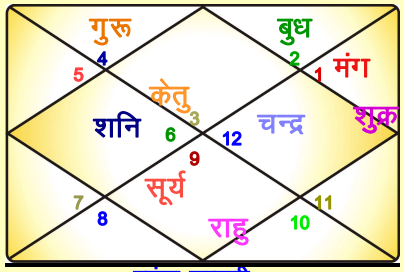

सप्तमांश कुण्डली

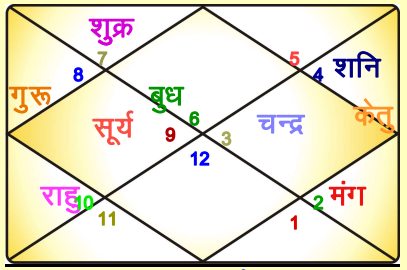

नवांश कुण्डली

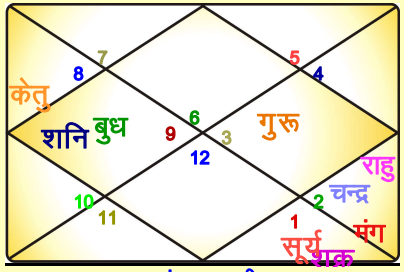

दशमांश कुण्डली

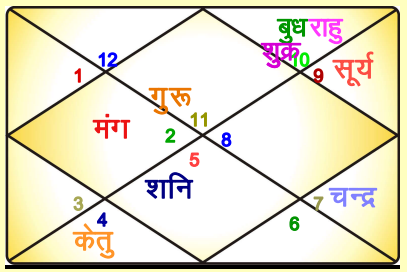

द्वादशांश कुण्डली

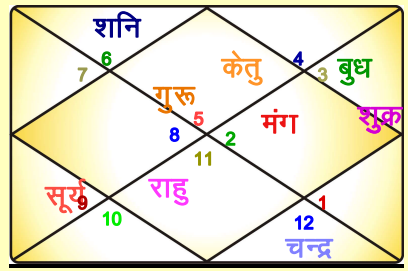

गोचर शनि
(शनि साढ़ेसाती)

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

शनि साढ़ेसाती का पहला चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	सिंह	07:09:1977	04:11:1979	2 y.1 m.27	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	सिंह	15:03:1980	27:07:1980	0 y.4 m.12	
द्वितिय ढ़ैया	कन्या	04:11:1979	15:03:1980	0 y.4 m.10	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	कन्या	27:07:1980	06:10:1982	2 y.2 m.10	
तृतिय ढ़ैया	तुला	06:10:1982	21:12:1984	2 y.2 m.15	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	तुला	01:06:1985	17:09:1985	0 y.3 m.17	
कंटक शनि	धनु	17:12:1987	21:03:1990	2 y.3 m.3 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	धनु	20:06:1990	15:12:1990	0 y.5 m.26	
अष्टम शनि	मेष	17:04:1998	07:06:2000	2 y.1 m.21	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)					

शनि साढ़ेसाती का दूसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	सिंह	01:11:2006	10:01:2007	0 y.2 m.9 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	सिंह	16:07:2007	10:09:2009	2 y.1 m.25	
द्वितिय ढ़ैया	कन्या	10:09:2009	15:11:2011	2 y.2 m.5 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	कन्या	16:05:2012	04:08:2012	0 y.2 m.19	
तृतिय ढ़ैया	तुला	15:11:2011	16:05:2012	0 y.6 m.0 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	तुला	04:08:2012	02:11:2014	2 y.2 m.28	
कंटक शनि	धनु	26:01:2017	21:06:2017	0 y.4 m.24	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	धनु	26:10:2017	24:01:2020	2 y.2 m.29	
अष्टम शनि	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14	

शनि साढ़ेसाती का तीसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	सिंह	27:08:2036	22:10:2038	2 y.1 m.25 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	सिंह	05:04:2039	13:07:2039	0 y.3 m.8 d.	
द्वितिय ढ़ैया	कन्या	22:10:2038	05:04:2039	0 y.5 m.13 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	कन्या	13:07:2039	28:01:2041	1 y.6 m.16 d.	
तृतिय ढ़ैया	तुला	28:01:2041	06:02:2041	0 y.0 m.9 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	तुला	26:09:2041	12:12:2043	2 y.2 m.16 d.	
कंटक शनि	धनु	08:12:2046	06:03:2049	2 y.2 m.27 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	धनु	10:07:2049	04:12:2049	0 y.4 m.25 d.	
अष्टम शनि	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)					

षोडश वर्ग

षोडशांश कुण्डली

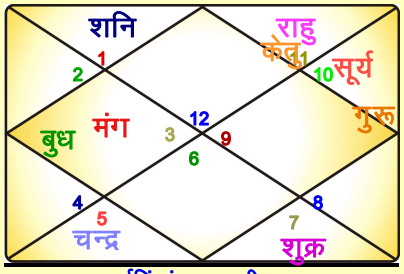

विशांश कुण्डली

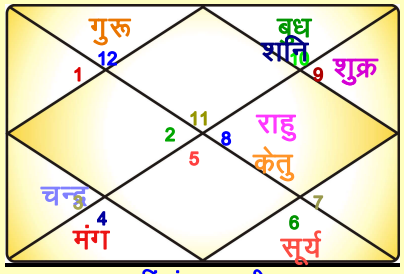

चर्तुविंशांश कुण्डली

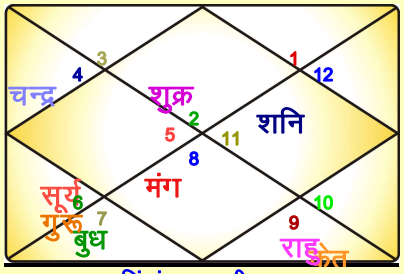

सप्तविंशांश कुण्डली

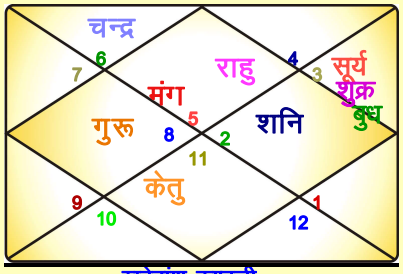

त्रिंशांश कुण्डली

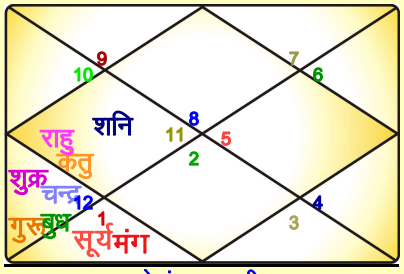

खवेदांश कुण्डली

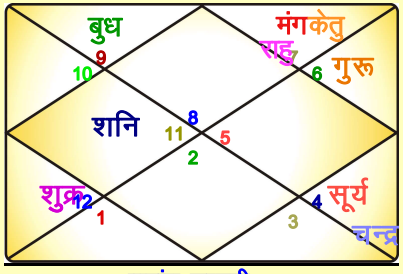

अक्षवेदांश कुण्डली

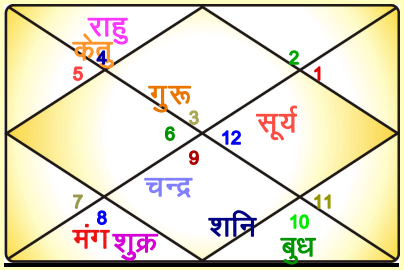

षष्ठांश कुण्डली

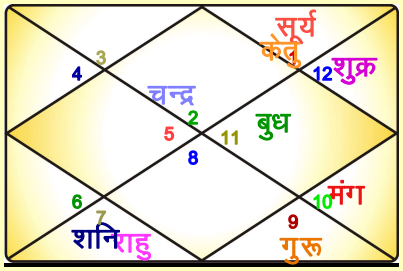

ग्रह स्थिति-कृष्णमूर्ति पद्धति

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0	राशि	उप	उपउप	उउउ	विशेष
लग्न	कन्या	28:21:11	चित्रा-२	मंगल	बुध	शनि	बुध	चन्द्रमा	...
सूर्य	धन	02:21:31	मल-१	केतु	गरू	शुक्र	शनि	शुक्र	मित्र के भाव में
चन्द्रमा	कन्या	16:06:45	हस्त-२	चन्द्रमा	बुध	शनि	बुध	सूर्य	शत्र के भाव में
मंगल	मेष	04:48:06	अश्विनी-२	केतु	मंगल	मंगल	मंगल	बुध	मूलत्रिकोन
बुध	वृश्चिक	19:57:12	ज्येष्ठा-१	बुध	मंगल	शुक्र	चन्द्रमा	केतु	शत्र के भाव में
गुरू	मकर	18:02:27	श्रवण-३	चन्द्रमा	शनि	बुध	बुध	शनि	तटस्थ भाव में
शुक्र	मकर	13:06:04	श्रवण-१	चन्द्रमा	शनि	राह	केतु	मंगल	मित्र के भाव में
शनि व	मिथुन	08:18:27	आर्द्रा-१	राह	बुध	राह	सूर्य	राह	तटस्थ भाव में
राह व	धन	05:16:23	मल-२	केतु	गरू	मंगल	बुध	शनि	मित्र के भाव में
केतु व	मिथुन	05:16:23	मृगशिर-४	मंगल	बुध	सूर्य	शनि	चन्द्रमा	तटस्थ भाव में
हर्षल	तुला	03:26:47	चित्रा-४	मंगल	शुक्र	शुक्र	मंगल	सूर्य	––
नेपच्यून	वृश्चिक	14:26:28	अनराधा-४	शनि	मंगल	राह	शुक्र	बुध	––
प्लूटो	कन्या	13:17:02	हस्त-१	चन्द्रमा	बुध	राह	शुक्र	मंगल	––
फारच्यना	कर्क	12:06:23	पष्य-३	राह	चन्द्रमा	चन्द्रमा	सूर्य	सूर्य	....

लग्न कुण्डली

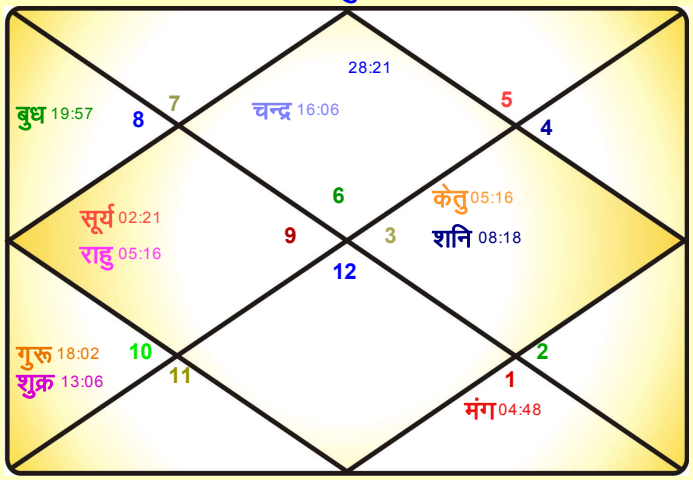

कृष्णमूर्ति भाव चलित

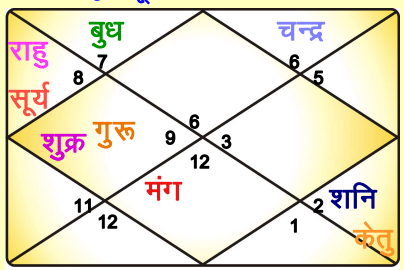

नवांश कुण्डली

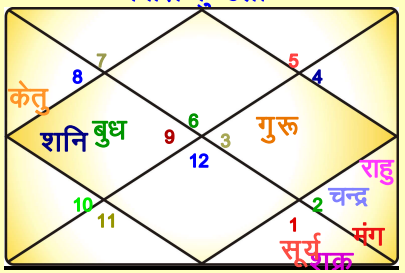

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	शनि, केतु	------
चन्द्रमा	------	------
मंगल	------	बुध
बुध	------	------
गुरू	------	लग्न, चन्द्रमा
शुक्र	------	------
शनि	सूर्य, राहु	------
राहु	शनि, केतु	------
केतु	सूर्य, राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष (मं0)	वृश्चिक (बु0)	सिहं, कुम्भ
वृष	तुला	कर्क, मकर (गु0, शु0)
मिथुन (श0, के0)	कन्या (च0)	धनु (सू0, रा0), मीन
कर्क	कुम्भ	वृष, वृश्चिक (बु0)
सिहं	मकर (गु0, शु0)	मेष (मं0), तुला
कन्या (च0)	मिथुन (श0, के0)	धनु (सू0, रा0), मीन
तुला	वृष	सिहं, कुम्भ
वृश्चिक (बु0)	मेष (मं0)	कर्क, मकर (गु0, शु0)
धनु (सू0, रा0)	मीन	मिथुन (श0, के0), कन्या (च0)
मकर (गु0, शु0)	सिहं	वृष, वृश्चिक (बु0)
कुम्भ	कर्क	मेष (मं0), तुला
मीन	धनु (सू0, रा0)	मिथुन (श0, के0), कन्या (च0)

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज़्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द
सूर्य	---									
चन्द्रमा	4/10 (-)	---								
मंगल	1/1 (-)	4/10 (-)	---							
बुध	6/8 (-)	5/9 (+)	6/8 (-)	---						
गुरू	3/11 (-)	2/12 (-)	3/11 (+)	6/8 (-)	---					
शुक्र	5/9 (-)	2/12 (-)	5/9 (+)	4/10 (-)	3/11 (+)	---				
शनि	5/9 (-)	2/12 (+)	5/9 (+)	4/10 (-)	3/11 (+)	1/1 (+)	---			
राहु	4/10 (-)	7/7 (+)	4/10 (+)	3/11 (+)	6/8 (-)	6/8 (-)	6/8 (+)	---		
केतु	4/10 (-)	1/1 (+)	4/10 (-)	5/9 (+)	2/12 (-)	2/12 (-)	2/12 (-)	7/7 (+)	---	
इन्द	4/10 (-)	7/7 (+)	4/10 (-)	3/11 (+)	6/8 (-)	6/8 (-)	6/8 (-)	1/1 (+)	7/7 (+)	---

लिजेन्ड-

१/१ कन्जक्शन , २/१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/९ ट्राइन , ६/८ क्वीन्क्शं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , ( ) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिया गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

ग्रह अवस्था

ग्रह	स्वप्नादि 3	बलादि 5	लज्जितादि 9	दिप्तादि 9	दिप्तादि 10
सर्य	स्वप्न	बाल	क्षुदित	प्रमुदित	मुदित
चन्द्रमा	सुप्त	युवा	क्षुदित	दुःखित	––
मंगल	जाग्रत	बाल	गर्वित	स्वस्थ	स्वस्थ
बध	सुप्त	कुमार	क्षुदित	दुःखित	दीन
गरू	जाग्रत	युवा	गर्वित	दीन	दीन
शक्र	स्वप्न	युवा	मुदित	शान्त	––
शनि	स्वप्न	कुमार	क्षुदित	दीन	वक्र
राह	स्वप्न	मृत	क्षुदित	प्रमुदित	मुदित
केत	स्वप्न	मृत	लज्जित	दीन	शान्त

सन्डि

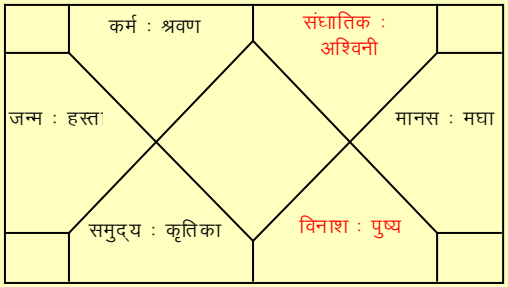

स्थन		त्रि-नाडि	
कूज स्थुन-	मघा	**देश-**	पूर्वाफल्गुनी
कंटक स्थुन-	मूल	**जाति-**	मघा
रक्त स्थुन-	पूर्वाषाढ	**प्रतिष्ठा-**	उत्तराफल्गुनी

नव-तारा चक्र

जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	निधन	मित्र	अति मित्र
हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनराधा	ज्येष्ठा	मल	पर्वाषाढ	उत्तराषाढ
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका
रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पनर्वस	पष्य	आश्लेषा	मघा	पर्वाफल्गनी	उत्तराफल्गनी

आर्कचतुष्टय और नवशुभ अर्क

जन्म : हस्ता	कर्म : अभिजीत	आधान : कृतिका	नैधव : पुनर्वसु

आर्कचतुष्टय की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२८ नक्षत्र के आधार पर)।

		दग्ध : मूला	क्षय : धनिष्ठा
	शूल : उत्तरभाद्र	सन्निपात : मृगशिरा	ध्वज : अश्लेषा
उल्का : उत्तरफाल्गुनी	भुकम्प : हस्ता	वज्रक : चित्रा	निर्घात : स्वाति

नवशुभ अर्क की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२७ नक्षत्र के आधार पर)।

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	2	1	6	4	3	4	3	5	4	2	3	2	39
बृहस्पति	3	5	3	6	4	4	7	5	3	5	6	5	56
मगंल	4	2	4	3	1	4	3	5	3	3	5	2	39
सूर्य	3	2	6	7	3	4	3	4	5	4	4	3	48
शुक	5	4	1	4	5	7	6	5	3	5	3	4	52
बुध	7	3	4	5	4	4	5	5	5	4	5	3	54
चन्द्रमा	3	4	5	5	4	5	4	6	2	3	5	3	49
योग	27	21	29	34	24	32	31	35	25	26	31	22	337
लग्न	5	3	6	3	4	6	2	6	1	3	7	3	49
राहु	4	5	6	2	4	2	3	3	5	4	2	4	44

तत्व चक

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	76	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	79	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	91	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	91	उत्तर

(विशेष – सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उपू, दपू, उप और दप) होगी।)

भुवन चक

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	108	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	118	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	111	वित्त हानि

दिशा चक

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	79	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	91	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	91	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	76	दुर्भाग्य और हानि

सुदर्शन चक्र

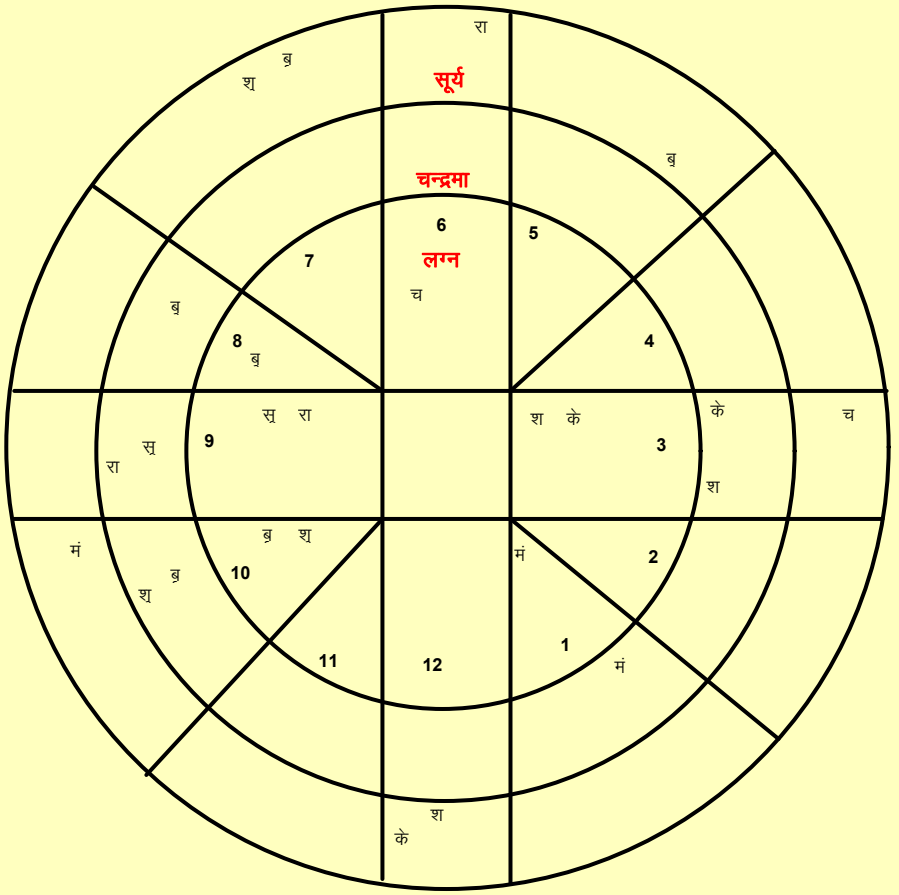

सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों को देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़ेगें।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक्र वुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होगें। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सुर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।